Roll No.: .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 1

W-3415(A)

M.A. (Fourth Semester) Examination, (Second Chance) June-2020

HINDI

Paper - 404

Suryakant Tripathi Nirala

Time : Three Hours

Maximum Marks : 85 (For Regular Students) ***Maximum Marks : 100 (For Private Students)***

Minimum Pass Marks : 29 ***Minimum Pass Marks : 34***

नोट : **सभी** प्रश्न हल कीजिये। प्रश्नों के अंक उनके समक्ष अंकित किये गये हैं।

Q.1. निम्नलिखित पद्यांशों को संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये। 3×8=24/3×9=27

क) मुझ भाग्यहीन की तू सम्बल
युग वर्ष बाद जब हुई बिकल,
दुख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही!

ख) कोई न छायादार
पड़े वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार।
श्याम तन भर बंधा यौवन,
नत–नयन, प्रिय–कर्म, रत–मन
गुरू हथौड़ा हाथ करती बार–बार प्रहार
सामने तरू मालिका अट्टलिका, प्राकार।

ग) भारति जय विजय करे!
कनक–शस्य–कमल धरे!
लंका पद तल शत दल
गर्जितोर्मि सागर–जल
धोता शुचि चरण युगल
स्तव कर बहु–अर्थ–भरे!

Q.2. छायावादी काव्य की दृष्टि से निराला काव्य की समीक्षा कीजिए। 15/18

Q.3. निराला की प्रगतिशीलता पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। 15/18

Q.4. निराला को मुक्त छन्द का प्रणेता कहा जाता है। सवर्क समीक्षा कीजिए। 15/17

Q.5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 4×4=16/4×5=20

i) पंत का प्रकृति प्रेम
ii) आधुनिक युग की मीरा–महादेवी वर्मा
iii) एक भारतीय आत्मा माखनलाल चतुर्वेदी
vi) शिवमंगल सिंह 'सुमन' का काव्य वैभव